



भारत में सीजेपी के आंदोलन को मिल रही विदेशी फंडिंग: अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन

वाशिंगटन

अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध में भारत में चल रहे युवाओं के नेतृत्व वाले काकरोच आंदोलन को अमेरिकी डोनर्स से आर्थिक मदद मिल रही है। उन्होंने भारत में इस आंदोलन के खिलाफ शांतिपूर्ण जवाबी आंदोलन शुरू करने की अपील भी की है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब आंदोलन से जुड़े दो नेताओं को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, मैरी मिलबेन ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि कुछ अमेरिकी डोनर्स काकरोच जनता

पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके और उनके आंदोलन को आर्थिक सहायता दे रहे हैं।

मिलबेन के मुताबिक, कुछ डोनर्स अमेरिका में शिक्षित कार्यकर्ताओं को चुनते हैं, ताकि वे अपने देशों में रूढ़िवादी नेताओं को चुनौती दे सकें। हालांकि, उन्होंने कथित तौर पर फंडिंग करने वाले लोगों के नाम नहीं बताए और न ही अपने आरोपों के समर्थन में कोई वित्तीय प्रमाण पेश किया। इससे पहले सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके विदेशी फंडिंग के आरोपों को खारिज कर चुके हैं। उनका कहना है कि आंदोलन के आयोजक और उनके दोस्त आपस में पैसे जुटाकर विरोध प्रदर्शनों का खर्च उठाते हैं। मैरी मिलबेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करते हुए कहा कि

भारतीय प्रधानमंत्री अमेरिका से आने वाली विघटनकारी ताकतों के सामने झुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने भारत के युवाओं से सीजेपी के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित करने की अपील की। मिलबेन ने कहा कि लोकतंत्र और स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए जवाबी आंदोलन का होना जरूरी है। गौरतलब है कि, जून 2023 में प्रधानमंत्री मोदी को अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान वाशिंगटन डीसी में भारतीय प्रवासियों के एक कार्यक्रम में मिलबेन ने भारत का राष्ट्रगान गाया था। भारत में पिछले सप्ताह बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। विपक्ष के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारियों की आपत्ति मतदाता सूचियों में किए गए बदलावों को

लेकर है।

इस बीच, सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी सीजेपी के नेताओं और विपक्षी राजनेताओं पर विदेशी ताकतों के इशारे पर देश को अस्थिर करने की कोशिश करने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, विदेशी फंडिंग से जुड़े इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है। सीजेपी के प्रवक्ता सौरभ दास और सह-संयोजक आशुतोष रांका को बुधवार पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वे दोनों उन प्रदर्शनकारियों में शामिल थे, जिन्होंने मध्य दिल्ली स्थित ऐतिहासिक स्थल जंतर-मंतर में प्रवेश करने के लिए बैरिकेड्स पार किए थे। पुलिस ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन के लिए अधिकृत स्थलों की सूची से हटा दिया था।

न्यूज़ ब्रीफ

उत्तर कोरिया ने पनडुब्बी से दागी जाने वाली दो कूज मिसाइलों का किया परीक्षण

सियोल। उत्तर कोरिया ने बुधवार को पूर्वी सागर में पनडुब्बी से दागी जाने वाली दो प्रकार की रणनीतिक कूज मिसाइलों का परीक्षण किया। सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

केसीएनए के हवाले से दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप ने बताया कि, इस परीक्षण का उद्देश्य पानी के भीतर संचालित होने वाली हथियार प्रणालियों की मौजूदा तैयारियों का आकलन करना था। एजेंसी ने कहा कि इससे नौसेना की रणनीतिक अभियानों को अंजाम देने की क्षमता का परीक्षण हुआ और देश के निवारक हथियारों की विश्वसनीयता तथा प्रभावशीलता भी प्रदर्शित हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, मिसाइल परीक्षण की निगरानी सत्तारूढ़ वर्क्स पार्टी आफ कोरिया के केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्य किम जोंग-सिक, मिसाइल प्रशासन के महानिदेशक गोंग चांग-हा और नौसेना की पनडुब्बी आधारित हथियार प्रणालियों से जुड़े इंजीनियरों ने की। यह घटनाक्रम उत्तर कोरिया की ओर से सोमवार को प्योंगयांग क्षेत्र से पूर्वी सागर की दिशा में सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किए जाने के कुछ दिनों बाद सामने आया है। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को कहा था कि उस परीक्षण का उद्देश्य एक महत्वपूर्ण मुख्य घटक को तकनीकी रूप से उन्नत बनाने के लिए किए गए शोध की सफलता की पुष्टि करना था। हालिया कूज मिसाइल परीक्षण के साथ उत्तर कोरिया ने अपनी पनडुब्बी आधारित हथियार प्रणालियों की तैयारियों को परखने पर जोर दिया है। हालांकि, केसीएनए की रिपोर्ट में मिसाइलों की मारक दूरी, परीक्षण के विस्तृत तकनीकी परिणामों और इस्तेमाल की गई पनडुब्बी के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती: एशियाई देश मिलकर बनाएं आपातकालीन तेल भंडार



मनीला। पश्चिम एशिया में बढ़ते वैश्विक तनाव और आपूर्ति में व्यवधान की चिंताओं के बीच एशियाई देशों ने एकजुट होकर आपातकालीन तेल भंडार बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित एशिया जीरो एमिशन कम्युनिटी (एजेडईसी) की मंत्रिस्तरीय बैठक में जापान के नेतृत्व में सदस्य देशों ने तेल सुरक्षा को मजबूत करने की संयुक्त कार्ययोजना पर सहमति जाहिर की है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य संकट के समय तेल भंडारण ढांचे का साझा उपयोग करना और बाजार की अस्थिरता को रोकने के लिए मिलकर रणनीतिक भंडार से ईंधन जारी करना है। इस नई रणनीति का एक प्रमुख पहलू यह है कि एशियाई देश आपातकालीन तेल व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में अपने क्षेत्रीय सहयोग को भी निरंतर आगे बढ़ाते रहे। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन, अमेरिका और जापान जैसे प्रमुख देशों के तेल भंडारों के आंकड़ों का आकलन करते समय सरकारी रणनीतिक भंडार और कारोबारी भंडार के अंतर को समझना आवश्यक है। जापान की इस पहल का मुख्य ध्येय आपात स्थितियों में सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं को आपूर्ति के झटकों से सुरक्षित रखना है।

अजरबैजान में हिजाब प्रतिबंध पर बवाल, छात्रों व सरकार में टकराव, छात्रों और शिक्षकों ने किया विरोध प्रदर्शन, कई गिरफ्तारियां भी हुईं

बाकु। मध्य एशियाई मुस्लिम देश में इन दिनों कक्षाओं में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध को लेकर बवाल मचा हुआ है। सरकार ने देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र का हवाला देते हुए सरकारी स्कूलों में तय यूनिफॉर्म के अनुरूप न होने वाले या शिक्षा के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप के खिलाफ माने जाने वाले कपड़ों पर रोक लगा दी है। हालांकि इस आदेश में हिजाब का नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया गया है, लेकिन कई स्कूलों ने इस नियम को हिजाब पहनने वाली छात्राओं पर लागू कर दिया है, जिससे मुस्लिम बहुल इस देश में हंगामा मच गया है। अजरबैजान की करीब 96 फीसदी आबादी मुस्लिम है। देश में शिया मुसलमान बहुसंख्यक हैं। इसके बावजूद अजरबैजान का सैद्धांतिक ढांचा धर्म और राज्य को अलग रखने के सिद्धांत पर आधारित है। सरकार के इस कदम ने धार्मिक स्वतंत्रता, शिक्षा के अधिकार और राज्य की सीमाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अजरबैजान का संविधान देश को धर्मनिरपेक्ष बताता है और धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी भी देता है, लेकिन कुछ ही शिक्षा को धर्मनिरपेक्ष रखने का प्रावधान भी करता है। इसी आधार पर 21 सितंबर को कैबिनेट द्वारा पारित एक प्रस्ताव के तहत सरकारी सामान्य शिक्षा संस्थानों के छात्रों की यूनिफॉर्म में बदलाव किया गया, जिसका मकसद एक ऐसा ड्रेस कोड लागू करना था जो देश के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत को दर्शाता हो।

यूएनजीए में भारत का कड़ा संदेश : मानवाधिकार निकाय दोहरे मापदंड और राजनीतिकरण से बचें

जिनेवा

भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निकायों को राजनीतिकरण और पक्षपातपूर्ण रवैये से दूर रहने की सख्त सलाह दी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति के 81वें सत्र में मानवाधिकार परिषद की रिपोर्ट पर भारत का पक्ष रखकर संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रथम सचिव अनुज स्वरूप ने स्पष्ट किया कि भारत बिना किसी भेदभाव और दोहरे मापदंड के सभी नागरिकों के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक निकायों को निष्पक्षता बनाए रखने के लिए विभिन्न देशों के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संदर्भों का सम्मान करना चाहिए। भारत का यह बयान तब आया है जब हाल ही में दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की टिप्पणी को भारत ने अपना आंतरिक मामला बताकर अनावश्यक हस्तक्षेप करार दिया था। स्वरूप ने भारत के सभ्यतागत मूल्यों, बहुलवाद और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का उल्लेख कर बताया कि देश का जन-केंद्रित विकास माडल मानवाधिकारों का सबसे बड़ा उदाहरण है। भारत में पिछले एक दशक में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त खाद्यान्न और 60 करोड़ लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य बीमा दिया जा रहा है। इसके साथ ही भारत ने मूल निवासियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक अल्बर्ट बारूमे की उस रिपोर्ट को खारिज किया है। जिसमें भारत के वन अधिकार अधिनियम के तहत लाखों दावों के लंबित होने का दावा किया गया था। स्वरूप ने कहा कि यह रिपोर्ट किसी एक व्यक्ति की असत्यापित जानकारी पर आधारित है, जो इसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाती है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दाखिल 54 लाख से अधिक दावों में से 80 प्रतिशत से ज्यादा का निस्तारण किया जा चुका है और 25 लाख से अधिक पट्टे वितरित किए गए हैं।



सऊदी अरब में अरामको पर हतियारों के हमले ने वैश्विक तेल बाजार में मचाई उथल-पुथल, इसका असर दुनिया के साथ भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ सकता है

रियाद। सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको की एक प्रशासिक इमारत पर हमला हुआ है, जिसमें आग लग गई, हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। यह घटना हूती विद्रोहियों और सऊदी गठबंधन के बीच जारी संघर्ष का हिस्सा है। हमला एक तेल केंद्र को निशाना बनाकर किया गया। सऊदी अरामको वैश्विक ऊर्जा बाजार की धुरी और सऊदी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह वैश्विक तेल आपूर्ति, ईंधन की कीमतों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सीधा प्रभावित करती है। यदि इस विशालकाय कंपनी के संचालन में कोई बड़ी बाधा आती है, तो इसके परिणाम पूरी दुनिया, विशेषकर भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए अत्यंत गहरे और विनाशकारी होंगे। वैश्विक स्तर पर अरामको पर हुए हमले का सबसे पहला असर तेल की कीमतों में बेकाबू उछाल के रूप में दिखेगा। यह कंपनी प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करती है, और इसके उत्पादन में किसी भी बड़ी कमी से अंतरराष्ट्रीय बाजार में अचानक और भारी तेल संकट पैदा होगा। आपूर्ति घटने और मांग के बने रहने के कारण कच्चे तेल की कीमतें रिकार्ड स्तर पर पहुँचेंगी, जिससे दुनिया भर में पेट्रोल, डीजल और रशोई गैस के दाम रातों-रात आसमान छूने लगेंगे। ऊर्जा आधुनिक अर्थव्यवस्था का इंजन है, जब ईंधन महंगा होगा, तो वस्तुओं की दुलाई, बिजली उत्पादन और कारखानों में विनिर्माण लागत बढ़ जाएगी। इसका परिणाम यह होगा कि हर उपभोक्ता वस्तु की कीमतें बढ़ेंगी, जिससे विश्वव्यापी महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ेगा। इसके अतिरिक्त, अरामको पेट्रोकेमिकल्स और उर्वरक जैसे उद्योगों के लिए भी अहम है। इसका उत्पादन प्रभावित होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला चरमरा जाएगी, जिससे पेटेजिंग से लेकर कृषि तक कई उद्योग सीधे प्रभावित होंगे। भारत के संदर्भ में अरामको का संकट किसी बड़े आर्थिक झटके से कम नहीं होगा। भारत अपनी कुल ऊर्जा जरूरतों का 80फीसदी से अधिक हिस्सा विदेशों से आयात करता है और सऊदी अरब उसके सबसे बड़े तेल आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने का सीधा असर भारत के आयात बिल पर पड़ेगा, जिससे देश का राजकोषीय और वालू खाता घाटा तेजी से बिगड़ जाएगा। तेल की बढ़ती कीमतें डालर की मांग बढ़ाएंगी, जिससे भारतीय रुपया अमेरिकी डालर के मुकाबले कमजोर होगा और सभी आयातित वस्तुएं महंगी हो जाएंगी।

नेपाल से भारत जाने वाले यात्रियों के लिए पावर बैंक पर प्रतिबंध



काठमांडू। नेपाल से भारत जाने वाले यात्रियों को अब एक विशेष प्रकार का पावर बैंक अपने साथ ले जाने की अनुमति नहीं होगी। नेपाल एयरलाइंस ने सूचना जारी कर इसकी जानकारी दी है। यह प्रतिबंध भारत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीपी) के सकूलर के आधार पर लगाया गया है। नए नियम के अनुसार, मोबिकॉस एमके पीबी-04 पावर बैंक को भारत से या भारत के लिए संचालित होने वाली किसी भी उड़ान में ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसे यात्री अपने केबिन हैंडबैग, चेक-इन बैगज या कार्गो में भी नहीं ले जा सकेंगे। दरअसल, इससे पहले दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक उड़ान में यात्री के पावर बैंक में आग लग गई थी। इस घटना के बाद विमान को हैदराबाद की ओर डायवर्ट कर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी थी।

नेपाल : संसदीय सुनवाई में सरकार को झटका, दो प्रस्तावित राजदूतों के नाम सर्वसम्मति से खारिज

काठमांडू

नेपाल सरकार की ओर से सिफारिश किए गए दो प्रस्तावित राजदूत संसदीय सुनवाई की कसौटी पर खरे नहीं उतर सके। संसदीय सुनवाई समिति की बुधवार को हुई बैठक में सऊदी अरब के लिए प्रस्तावित गिरिबहादुर सुनार और मलेशिया के लिए चूड़ामणि खरेल के नाम सर्वसम्मति से खारिज कर दिए गए।

सुनार के खिलाफ महिला हिंसा और खरेल के खिलाफ आर्थिक अनियमितता से जुड़े मामलों के कारण उनके नामों को अस्वीकार किया गया। वहीं, जापान के लिए प्रस्तावित राजदूत ज्ञान कुमार थापा के मामले में अतिरिक्त विवरण मिलने के बाद ही फैसला लेने का निर्णय किया गया। फिलहाल, उनके नाम पर निर्णय रोक दिया गया है।

संसदीय सुनवाई समिति के इस फैसले को सरकार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। दोनों विवादित नामों को सर्वसम्मति से खारिज किए जाने के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि सरकार ने अनुचित आचरण के आरोपों से घिरे व्यक्तियों को राजदूत पद के लिए सिफारिश किया था।

समिति की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएनपी) के संसद बोधनारायण श्रेष्ठ कर रहे हैं और समिति में इसी पार्टी का बहुमत है। इसके बावजूद विवादित नामों को सर्वसम्मति से खारिज किए जाने पर समिति के निष्पक्ष और स्वतंत्र निष्णय



की प्रशंसा हो रही है।

यूएमएल के नेता योगेश भट्टराई ने भी इस फैसले की सराहना की है। उन्होंने कहा, संसदीय सुनवाई समिति ने दूसरी बार इतिहास रचा है। सुनवाई समिति की प्रासंगिकता इसी तरह साबित होती है। खुशी हुई। बधाई। बैठक में अन्य 10 देशों के लिए प्रस्तावित राजदूतों के नामों को संसदीय सुनवाई समिति ने सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी।

मंजूरी पाने वाले प्रस्तावित राजदूतों में भारत के लिए डा. निश्चल राज पांडे, चीन के लिए डा. कल्याण राज शर्मा, अमेरिका के लिए चिरनजंग

थापा, ब्रिटेन के लिए गौतम शमशेर जबरा, इजरायल के लिए सुरेश कुमार कर्ण, दक्षिण कोरिया के लिए डा. संगम श्रेष्ठ, स्पेन के लिए प्राति शेरचन, श्रीलंका के लिए डा. मञ्जला झा, जर्मनी के लिए सरु जोशी और ओमान के लिए डा. पद्माक्षी राणा शामिल हैं।

लंबे समय तक राजदूत पद रिक्त रहने के बाद नेपाल सरकार ने गत 2 अक्टूबर को 13 देशों के लिए राजदूतों के नामों की सिफारिश की थी। हालांकि, संसदीय सुनवाई समिति की प्रक्रिया में दो प्रस्तावित राजदूतों के नाम खारिज हो गए।

आज का राशिफल

मेघ – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज निवेश के जो नए अवसर आपको और आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली-भाँति अध्ययन कर लें। पढ़ाई की कीमत पर घर से ज्यादा देर तक बाहर रहना आपको याता-यात के मुद्दे का शिकार बना सकता है। किसी तीसरे ईंसान का टखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। योग्य कर्मियों को परीक्षण या आर्थिक मुनाफा हो सकता है। पर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बिना किसी अनुभवी राक्षस की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। अपना नज़रिया दोराना और रिश्तेदारों पर थोपने की कोशिश न करें। क्योंकि न सिर्फ़ यह आपके लिए कुछ ख़ास फ़ायदेमंद साबित नहीं होगा अपना चाचा/डाय्टा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या ज़िम जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कु,घ,छ,झ,के,को,ह

रस्तेबाजी से फ़ायदा हो सकता है। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्सव बढ़ाएंगे। अगर महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत महझई है और आपका रिश्ता आपको मज़ा बहुत प्यार करेगा। तब तो आँकड़न से घर आते वक़्त आप आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए, नहीं तो दुर्घटना हो सकती है इस बात की प्रखल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मारभट पैदा करने का प्रयास करेंगे। अतः बाहरी लोगों के कहने पर अचल करना ठीक नहीं होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,खू,डे,डो

मुस्लिम धर्मी में रिश्तेदार भी काम आएँगे। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फ़ायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफ़ा हो सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। आप और आपका महबूब आज प्यार के समुन्द्र में गोते लगाएंगे और प्यार की महशुसों को महसूस करेंगे। काम के लिए समर्पित प्रोत्साह लोग छापे-पेसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में होंगे। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गह्र महसूस होगा। समय, कामकाज, पैसा, प्यार-दोस्ताना-रिश्ते सब एक और और आपका प्यार एक तरफ़, दोनों आपस में खोए हुए – कुछ ऐसा मिज़ान रहेगा आपका आज। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफी सारधान मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज अपने लिए वक़्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालाँकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कड़मसुनी हो सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ट,पे,पो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उत्थर पुरी तरह मेहरमंद हो सकते हैं। जीवन के दूरे दूर में पैसा आपके काम आना गारंटी है। आप आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको डिक्लॉ हो सकती है। आपके नज़दीकी लोग निजि जीवन में परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं। आप अपने प्रिय की चाहों में अंतर महसूस करेंगे। बाहरू लोगों में सेलजोल आपको नई योजनाएँ और आर्इशिया सुझाएंगे। आप चाहें तो परेशानियों को मुश्किलकर दखिअन कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में यशंत-काल की तरह है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरूरत है। उनकी सलाह भी आपको आर्थिक स्थिति को सुधारे में मददगार होंगी। दोस्त मददगार और सहयोगी होंगे। आपके प्रिय का प्यारा वक़्त आपके ख़ास होने का अनुभव कराएंगे। इन नज़्दी का पूरा लुक़ उठाएँ। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार है। आज जीवनसाथी के साथ थोड़ी बहुत कड़मसुनी हो सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। निवेश के जीवन-साथी की लापरवाही संभवों में तुरी बदा सकती है। साथ में अपना कीमती समय बिताना और मोटी यातों को फिर से तज़ा करें, नाकि पुराने दिनों को फिर से वापस लाया जा सके। रोमांस के लिहाज़ से रोमांसक दिन है। दूसरों में अपनी ग़िबती व्यक्तीकरण करना आपके पक्ष में जाएगा। लेकिन आपको इसे सुधारे के लिए निश्चयन की जरूरत है। आपकी वज़ह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की जरूरत है। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो यह आखिरी वक़्त पर टल सकती है।

धनु – ये,यो,अ,मी,भू,धा,फा,बा,मे

बहुत ज्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आमुक्त हो सकते हैं। आपके माता-पिता की सेहत पर ज्यादा ध्यान दिख जाने की जरूरत है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन जो अपनी परेशानियों के बारे में बात के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। अगर आप जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफी निराशाजनक हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है।

मकर – मो,ज़,ज़ी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

साथीक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर ऐसा निवेश करने की जरूरत है। घरेलू ज़िंदगी सुकुन्मयी और खुशनुमा रहेगी। अपनी नीकरी से धिक्के रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएँगे। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वज़ह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालाँकि इस वक़्त आपको धन से ज्यादा उनकी चिंता करनी चाहिए। कोई पुरान पब्लिश आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। सौते दिनों की मोटी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए भिना न मारें। इस राशि के उम्दराज़ जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में यशंत-काल की तरह है – रोमांती व प्यार से भरपूर; जहाँ सिर्फ़ आप और आपका जीवनसाथी साथ हों।

मीन – दी,दू,थ,अ,अदे,दो,चा,ची

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और सुलभ-दुर्लभ रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आप दूसरों पर कुछ ज्यादा ख़र्च कर सकते हैं। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और यादें की जरूरत है। बेहतन कामकाज के चलते आपको तारीफ़ मिल सकती है। आपके घर का कोई करीबी राक्षस आज आपके साथ वक़्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक़्त नहीं होगा जिसकी वज़ह से उनको तो डरा लेंगेगा ही आपको भी डरा लेंगेगा। जीवन साथी के स्वास्थ को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 अक्टूबर 2026 , शुक्रवार

विक्रम संवत : 2083

मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष

तिथि : षष्ठी रात्रि 05:55 तक

नक्षत्र : ज्येष्ठा प्रातः 06:48 तक

योग : शोभन रात्रि 10:05 तक

करण : कीलव सायं 04:39 तक

चन्द्रराशि : वृश्चिक प्रातः 06:48 तक

सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:53 (हैदराबाद)

सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 06:06 (बैंगलोर)

सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:52 (दिल्ली)

सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 05:45 (चिन्नयवाडा)

शुभ पाँड़िया

चयन : 06:00 से 07:30

लाभ : 07:30 से 09:00

अमृत : 09:00 से 10:30

शुभ : 12:00 से 01:30

राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00

दिवाभूतः पश्चिम दिशि

उषावः दूध पीका वक़्त कां

दिन विभरः कावामी पूजन, सरस्वती आवाहन , गणपुत्र चानू है

पंचिदम्बर मिश्र (टिड्ड महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फ़क़ड का मन्दिर, रिकामगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)

9246159232, 9866165126

chidamber011@gmail.com

पंजाब नैशनल बैंक में राजभाषा संगोष्ठी और पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पंजाब नैशनल बैंक, अंचल कार्यालय, हैदराबाद में दि. 14 अक्टूबर, 2026 को राजभाषा संगोष्ठी-सह-पुरस्कार वितरण(हिंदी माह-2026) समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल प्रमुख, हैदराबाद, श्रीमती वन्दना पाण्डेय द्वारा की गई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी), हैदराबाद के निदेशक तथा शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार एवं जे. सी. बोस पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी की सम्मानित उपस्थिति रही। कार्यक्रम में श्री श्रवण कुमार, उप अंचल प्रमुख, श्री सुजीत कुमार झा, मण्डल प्रमुख, सिकंदराबाद, श्री अजय कुमार, उप महाप्रबंधक, श्री बी श्री हरि, उप मंडल प्रमुख, सहायक महाप्रबंधकाण एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर आईआईसीटी, हैदराबाद में उपस्थित रहे। सम्पूर्ण कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ साकेत सहाय, मुख्य प्रबन्धक (राजभाषा) द्वारा पूर्ण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) ने विशिष्ट अतिथि, अंचल प्रबंधक, मण्डल प्रमुख अन्य उपस्थित अतिथियों एवं अधिकारियों का

स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके पश्चात् मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अंचल की पत्रिका 'गोदावरी' के अप्रैल-सितंबर, 2026 अंक का विमोचन किया गया। गोदावरी पत्रिका बैंकिंग, भाषा, साहित्य एवं समसामयिक विषयों पर रचनात्मक अभिव्यक्ति का मंच प्रदान करने के साथ-साथ अंचल में हिंदी के प्रयोग तथा साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने सम्बोधन में अंचल प्रबंधक श्रीमती वन्दना पाण्डेय ने कहा कि आज हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाएँ आधुनिक ज्ञान-विज्ञान, अनुसंधान और तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिलाकर अग्रसर है। पीएनबी सदैव जनसेवा और ग्राहक केन्द्रित बैंकिंग के लिए प्रतिबद्ध रहा है और इसमें

भाषा की भूमिका और महत्व को प्रसारित करने में योगदान देता है। उन्होंने आज की राजभाषा संगोष्ठी और पुरस्कार विजेत-1ओं के लिए बधाई दी और विश्वास जताया कि इस प्रकार के आयोजन राजभाषा के प्रयोग, मौलिक लेखन तथा रचनात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करेंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के महत्व तथा संगोष्ठी के विषय 'संपर्क भाषा से ज्ञानभाषा तक' विषय पर विज्ञान एवं तकनीक में हिंदी और भारतीय भाषाओं की भूमिका पर हुआ विमर्श की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी भाषा की प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके माध्यम से विषयवस्तु का संप्रेषण कितना स्पष्ट, सहज और बोधगम्य है। मातृभाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा

कि मातृभाषा में शिक्षण से विषय की गहरी समझ विकसित करने में सहायता मिलती है। अपने वैज्ञानिक जीवन का अनुभव साझा करते हुए डॉ. रेड्डी ने बताया कि वैज्ञानिक बनने की उनकी यात्रा में उनकी मातृभाषा तेलुगु की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता अथवा अधिवक्ता बनने के लिए संबंधित विषय की गहरी समझ आवश्यक है और भारतीय भाषाओं में शिक्षण इस समझ को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने घर में मातृभाषा और कार्यालय में राजभाषा के सिद्धांत को अपनाने का आह्वान किया। साथ ही, सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा सांख्यिक अनुसंधान के माध्यम से औषधि उद्योग को सहयोग देने तथा अपशिष्ट पदार्थों को उपयोगी संसाधनों में परिवर्तित करने जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। उनके विचारों ने विज्ञान एवं तकनीक के ज्ञान को हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के माध्यम से व्यापक जनसमुदाय तक पहुंचाने का आवश्यकता को रेखांकित किया। समारोह के दौरान हिंदी माह में आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, राजभाषा अनुपालन एवं हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागों एवं मंडलों को विभिन्न शील्ड प्रतियोगिताओं के अंतर्गत

सम्मानित किया गया। इनमें अंचल स्तरीय 'लाला लाजपत राय शील्ड प्रतियोगिता', अंचल स्तरीय अंतर-मंडल ई-पत्रिका शील्ड तथा अंचल स्तरीय अंतर-अनुभागीय शील्ड प्रतियोगिताएँ शामिल रही। इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संबंधित विभागों एवं मंडलों को सम्मानित किया गया। साथ ही, अंचल की राजभाषा पत्रिका 'गोदावरी' में उल्लेखनीय साहित्यिक एवं रचनात्मक योगदान देने वाले सर्वश्रेष्ठ रचनाकारों को भी सम्मान प्रदान किया गया। विशिष्ट अतिथि एवं अंचल प्रबन्धक के कर-कमलों से विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र, पुरस्कार एवं शील्ड प्रदान किए गए। अंत में उप अंचल प्रमुख श्री श्रवण कुमार ने मुख्य अतिथि, अंचल प्रबंधक, अन्य अतिथियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन बैंक के दैनिक कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग, हिंदी का रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में हिंदी और भारतीय भाषाओं को ज्ञान के सशक्त माध्यम के रूप में विकसित करने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा। समारोह के अंत में मुख्य प्रबन्धक (राजभाषा) डॉ साकेत सहाय ने मंचासीन अतिथियों, पुरस्कार विजेताओं एवं समस्त प्रतिभागियों के प्रति आभार जताते हुए सभी से राजभाषा प्रयोग वृद्धि का आह्वान किया।

राजस्थानी जागृति समिति का पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर आज से

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में पहनने योग्य पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर 16 से 18 अक्टूबर तक प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से शाम 6 बजे तक सिद्दिअंबर बाजार स्थित बाहेती भवन में आयोजित किया जाएगा। समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वर्ष 2015 से प्रतिवर्ष आयोजित इस शिविर में संग्रहित कपड़े, बर्तन, अनाज, दाल, चावल, गेहूं, ज्वार, शक्कर, कंबल एवं अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुएं तेलंगाना के ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद परिवारों, सरकारी अस्पतालों में आए मरीजों तथा हैदराबाद-सिकंदराबाद में काम करने वाले निर्धन मजदूरों को वितरित की जाती हैं। शिविर का उद्घाटन अग्रवाल समाज, अत्तापुर के कोषाध्यक्ष वीरेंद्र अग्रवाल करेंगे। मुख्य अतिथि लव फॉर काऊ ट्रस्ट फाउंडेशन के ट्रस्टी रंदिश जागीरदार होंगे। विशेष अतिथियों में महेश बैंक के पूर्व निदेशक नारायणलाल बाहेती, सुप्रसिद्ध उद्योगपति अशोक कुमार होरावत जैन, गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरुण मेहता तथा श्री अयोध्या राम चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी कमलेश महाराज शामिल होंगे। समिति ने समाजबंधुओं से पहनने योग्य पुराने कपड़े, चादरें, कंबल, बर्तन, अनाज एवं घरेलू उपयोग की वस्तुएं दान करने की अपील की है। जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए नए कपड़े तथा वितरण कार्य हेतु आर्थिक सहयोग भी दिया जा सकता है। इस वर्ष वर्षा की कमी से प्रभावित ग्रामीण किसानों और मजदूरों की सहायता के लिए अधिक से अधिक सहयोग का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी से संपर्क किया जा सकता है।

माँ नवदुर्गा फ्रेंड एसोसिएशन द्वारा राहिमपुरा में भव्य जागरण का आयोजन

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत माँ नवदुर्गा फ्रेंड एसोसिएशन द्वारा राहिमपुरा स्थित अंबेडकर मैदान में दूसरे जागरण का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीजेपी ओबीसी मोर्चा गोलकोंडा जिला सचिव ठाकुर मनीष सिंह ने प्रमुख अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर बीआरएस वरिष्ठ नेता एवं मंगलहाट प्रभारी एच. कुमार, जय हिंद सेवा समिति अध्यक्ष बकेश सिंह, लोधा समाज गणेश उत्सव विसर्जन अध्यक्ष गोपाल सिंह, आर्य वैश्य समाज के राजू गुप्ता, एसएसके समाज की ज्योति येलेश तथा मराठी समाज सेवक राजू कुमार सहित अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी अतिथियों का गरिमामय स्वागत किया गया। जागरण कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न हुआ। आयोजकों ने माँ रानी के आशीर्वाद से कार्यक्रम की सफलता के लिए आभार व्यक्त किया। यह जागरण तेलंगाना राज्य नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें भक्ति और सामूहिक भागीदारी का वातावरण रहा।

खैराताबाद में पूर्व राज्यपाल बंडारा दत्तात्रेय के साथ डांडिया नृत्य करती हुई भाजपा नेता सपना गुप्ता, रचना, मीनाक्षी, साक्षी, नेशनल भाजपा की अरुणा ज्योति, अश्विनी, सरला केतनी, सुरेखा एवं अन्य।

सेवा और समर्पण से ही बनेगा संवेदनशील समाज : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा का भाव किसी दिखावे या बाहरी प्रेरणा से नहीं, बल्कि व्यक्ति के मन और अंतरात्मा से उत्पन्न होता है। जब मन में दूसरों के प्रति करुणा, सहयोग और संवेदना का भाव जागृत होता है, तभी व्यक्ति निस्वार्थ भाव से मानव सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ता है। सेवा की भावना ही मनुष्य को मनुष्य से जोड़ती है और समाज में प्रेम, विश्वास तथा आपसी सद्भाव को मजबूत बनाती है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि सेवा का भाव हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। जीवन में धन, प्रतिष्ठा और सफलता का अपना महत्व है, लेकिन इन सबके साथ यदि मन में जरूरतमंदों की सहायता करने और दूसरों के दुख-दर्द को समझने की भावना हो, तो जीवन की सार्थकता और भी बढ़ जाती है। किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना, भूखे को भोजन उपलब्ध कराना और असहाय व्यक्ति के प्रति संवेदना प्रकट करना भी मानवता की महान सेवा है। सच्ची सेवा वही है, जिसमें किसी प्रकार के प्रतिफल, प्रशंसा या सम्मान की अपेक्षा न हो, बल्कि दूसरों की सहायता करने से आत्मिक संतोष प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप

योगेश राज श्रीवास्तव राष्ट्रीय सैनिक संस्था, दक्षिण भारत के निदेशक नियुक्त

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व सैनिकों एवं देशभक्त नागरिकों के संगठन राष्ट्रीय सैनिक संस्था (पंजीकृत) ने डॉ. (मानद) योगेश राज श्रीवास्तव को दक्षिण भारत का निदेशक (सूचना एवं जनसंपर्क) नियुक्त किया है। 15 अक्टूबर 2026 को जारी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। यह नियुक्ति संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, दक्षिण भारत, मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त) द्वारा की गई है। नियुक्ति पत्र में मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. श्रीवास्तव का अनुभव, समर्पण एवं संचार कौशल दक्षिण भारत में संस्था की जनसंपर्क गतिविधियों और सार्वजनिक उपस्थिति को मजबूत

बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नई जिम्मेदारी के तहत डॉ. श्रीवास्तव को प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से संवाद करने के लिए अधिकृत किया गया है। वे संस्था की गतिविधियों, उद्देश्यों और विभिन्न पहलों को व्यापक जनसमुदाय तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। डॉ. श्रीवास्तव लंबे समय से

समाजसेवा, स्वैच्छिक रक्तदान एवं अंगदान के प्रति जागरूकता, जरूरतमंद और वंचित वर्गों की सहायता, राष्ट्रीय एकता तथा देशभक्ति से जुड़े कार्यों में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। वे पिछले चार दशकों से भी अधिक समय से रक्तदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। भारतीय सशस्त्र बलों के जवानों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान, सहयोग एवं संवेद-नशीलता की भावना को बढ़ावा देना भी उनके सामाजिक सेवा अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

डॉ. श्रीवास्तव महाकाल प्रोडक्शन की देशभक्ति एवं सामाजिक जागरूकता पर आधारित फिल्म परियोजना 'हम देश प्रेमी' के प्रमोटर भी हैं। इस

परियोजना का उद्देश्य रक्तदान, अंगदान, सैनिकों के प्रति सम्मान, नशामुक्ति अभियान और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जनजागरूकता फैलाना है। अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए डॉ. (मानद) योगेश राज श्रीवास्तव ने मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त) तथा राष्ट्रीय सैनिक संस्था के नेतृत्व के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि वे इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ करेंगे। साथ ही, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ समन्वय स्थापित कर संस्था की राष्ट्रसेवा संबंधी पहलों, पूर्व सैनिकों के कल्याण तथा देशभक्ति से जुड़ी गतिविधियों को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

रोहित कोठारी को एपेक्स जीतो निदेशक बनने पर हैदराबाद चैप्टर ने किया स्वागत

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) एपेक्स के नए निदेशक बने श्री रोहित कोठारी का जीतो हैदराबाद चैप्टर

द्वारा गरिमामय स्वागत किया गया। इस अवसर पर जीतो हैदराबाद चैप्टर के चेयरमैन बी.एल. भंडारी, मुख्य सदस्य राहुल सुराना, जीतो सदस्य एवं प्रोटोकॉल संयोजक मनोज

कोठारी, जीतो सदस्य सुशील सेचेती, जीतो हैदराबाद निदेशक हिमांशु बाफना, निदेशक मनीष जैन सहित अन्य सदस्यों ने उनकी उपस्थिति में स्वागत समारोह आयोजित किया। मनोज कोठारी काशी विश्वनाथ एवं अयोध्या दर्शन के प्रोटोकॉल संयोजक के रूप में भी जुड़े हुए हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने रोहित कोठारी को नई जिम्मेदारी पर बधाई दी और सफलता की शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

जानिये पंजाबी दुल्हनें क्यूं पहनती हैं चूड़ा

अगर आप किसी पंजाबी फ्रेंड की शादी में गई होंगी, तो आपने दुल्हन को चूड़ा पहने हुए जरूर देखा होगा। वैसे तो दुल्हनें ढेर सारी ज्वेलरी पहनती हैं मगर उनमें से चूड़े का महत्व सबसे ज्यादा होता है। आज कल तो चूड़ा पहनने का रिवाज ना सिर्फ पंजाबियों में ही बल्कि भारत के अलग अलग कोनों में भी होने लगा है।



पंजाबी रिवाज के हिसाब पंजाबियों में शादी के दिन होने

वाली दुल्हन के घर पर चूड़ा और कलीरा नामक सेरेमनी भी होती है। इन लाल रंग की चूड़ियों का आखिर इतना महत्व क्यों है और इसे क्यों पहना जाता है, आज हम इसी के बारे में खुलासा करेंगे।

क्या है चूड़े से जुड़ हुए रिवाज

चूड़ा सेरेमनी शादी की सुबह दुल्हन के घर पर ही होती है। दुल्हन के मामा, उसके लिये चूड़ा ले कर आते हैं, जिसमें लाल और सफेद रंगों की 21 चूड़ियां होती हैं। दुल्हन इस चूड़े को तब तक नहीं दे पाती है जब तक की वह पूरी तरह से तैयार ना हो जाए और मंडप पर दुल्हे के साथ ना बैठ जाए।

साल भर तक पहनना होता है चूड़ा

पहनना होता है। हालांकि आज कल दुल्हने ज्यादा से ज्यादा 40 दिनों तक ही इसे पहनती हैं।

चूड़े का महत्व

चूड़ा, शादी शुदा होने का प्रतीक है। साथ ही यह प्रजनन और समृद्धि का संकेत भी होता है। यह पति को भलाई के लिए भी पहना जाता है।

चूड़े की रस्म

दुल्हन को चूड़ा शादी के मंडप में ही उसकी मामा जी ही देते हैं। उस दौरान दुल्हन को आंखें उसकी मां बंद कर देती हैं।

जिससे वह चूड़े को ना देख पाएं नहीं तो खुद उसी की नजर उस चूड़े पर लग जाएगी। चूड़े को शादी की एक रात पहले दूध में भिगो कर रखा जाता है।

चूड़ा उतारने की रस्म

पहले के जमाने में जब चूड़ा उतारना होता था तब घर पर छोटा सा आयोजन किया जाता था। उसमें दुल्हन को शगुन और मिठाई दी जाती थी और फिर चूड़ा उतार कर उसकी जगह पर कांच की चूड़ियां पहना दी जाती थीं। चूड़े को किसी नदी के पास उतारा जाता था और छोटी सी पूजा के बाद नदी में ही उसे बहा दिया जाता था।

कलीराकी रस्म

हर पंजाबी दुल्हन अपनी चूड़ियों में कलीरा बांधती है जो उसकी प्रिय सहेलियों ने बांधा होगा। कलीरा की सेरेमनी ठीक चूड़ा सेरेमनी के बाद होती है।

जब सिर पर गिरे

कलीरा

एक बार जब कलेरी दुल्हन की चूड़ियों के साथ बांध दी जाती है, तब उसे अपने हाथों को अपनी सिंगल सहेलियों के सिर पर झटकना होता है। फिर कलीरा जिसके सिर पर भी गिरती है, शादी का नेक्स्ट नंबर उसी का होता है।

अपने घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिये अपनाएं ये उपाय



घर, जिससे हम ना चाह कर भी कुछ नहीं छुपा सकते। इसकी रंगीन दीवारें चुपके से हमारी सीरी बाते सुन रही हैं, हवा में लहराते पर्दे हमारी खुशियों में झूम रहे हैं। विसतर पर बिछी चादर खुद में हमारे आंसूओं को समेट रही है और घर के दरवाजे, आने वाल हर शख्स की आहट को पहचानते हैं।

घर इतने करीब रह कर हमारा घर स्वयं में हमारी नकारात्मक ऊर्जा को समेट लेता है जो कई बार हमारी उदासी या जीवन में पैदा होने वाली रूकावटों का कारण बनते हैं।

ऐसी नकारात्मक ऊर्जा को घर से बाहर निकालने के लिए हम आपके लिए कुछ उपाय ले कर आए हैं। तो अगर आपको भी ऐसा लगता है कि घर में घुसते ही तनाव का माहौल भर उठता है और मन में उदासी होने लगती है तो आपको जरूर आजमाने चाहिये ये तरीके।

1 घर की पेंटिंग कराएँ हमारी नकारात्मक ऊर्जा केवल

हमारे साथ नहीं चलती बल्कि हम जिन चीजों का इस्तेमाल करते हैं उनमें बस जाती है। घर के पर्दे, दीवारें या घर का फर्नीचर हमें हमारे मुश्किल वक्त का एहसास कराता रहता है, जैसे उस ने भी वह पल जीया हो।

अतः अगर आप किराए पर घर ढूँढ रहे हैं तो बेहतर होगा कि एक वेल फर्निशड घर की बजाय एक खाली मकान खरीदें।

घर में प्रवेश करने से पहले मकान मालिक से कह कर घर की पेंटिंग कराएं तथा प्रवेश करने से एक दिन पहले पूरे घर में नमक के पानी से पोछा लगाएं एवं घर के दरवाजे एवं खिडकियों को

भी अच्छे से पोछें।

2 ताजी हवा एवं धूप

सूरज की किरणों घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगाने में बहुत की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। घर की सारी खिडकियों व दरवाजों को खोलें और ताजी हवा को अंदर आने दें। आप चाहें तो पंखा भी चला सकते हैं।

3 नमक के पानी से फर्श पोछें एक बाल्टी पानी में एक कप मोटा नमक डालें और इस पानी से पूरे घर में पोछा लगाएं। नमक को काफी शुभ माना जाता है तथा कुछ लोग घर खाली करते वक्त घर में नमक छोट कर जाते हैं। नमक आपके घर में नकारात्मकता को प्रवेश करने से रोकता है। यदि आप अपने घर के माहौल को सकारात्मक बनाए रखना चाहते हैं तो माह में एक दिन इस नमक वाले पानी से अपने घर में पोछा लगाएं।

4 अगरबत्ती या धूप जलाएं

अगरबत्ती और धूप में मौजूद खुशबू आपके घर को महक से भर देगी। ये सुगंधित चीजें आपके घर को एक नई ऊर्जा के साथ भरती हैं।

5 तिल का तेल जलाएं

कहते हैं कि तिल के तेल को जलाने से आपके आस-पास बुरी शक्तियां नहीं भटकती। यह काला जादू को भी विफल करने की शक्ति रखता है।

6 भजन सुनें व गायत्री मंत्र का उच्चारण करें

यदि आपको कोई मंत्र या शल्को आता है तो रोज सुबह नहाने के बाद उसका उच्चारण करें। घर के वातावरण को भक्तिमय बनाने के लिए किसी भजन गायक की सीडी चलाएं। इस तरह आपका मन शांत रहेगा एवं आप अपने दिन की शुरूआत सही तरीके से कर पाएंगे। यह आदत आपके ध्यान को

केंद्रित रखती है एवं आपके मन में बुरे विचारों को पनपने से रोकती है। चाहे तो इसे आजमा कर देख सकते हैं।

7 पूजा व हवन

घर में प्रवेश करने से पहले भगवान का आशीर्वाद लें। इसके लिए आप किसी पंडित को बुलाकर हवन या पूजा करवाएं। भगवान के आशीर्वाद से रखा गया पहला कदम आपके लिए शुभ साबित होगा।

8 ध्यान

ध्यान, आपके विचलित मन को शांति से भरता है। ध्यान करने के बाद व्यक्ति को सुकून महसूस होता है। प्राणायाम वायु के माध्यम से आपके शरीर में मौजूद अशुद्धियों को बाहर निकालता है। प्राणायाम से आप अपनी भावनाओं पर काबू पा सकते हैं।

9 बेकार पड़ी चीजों को दान करें

अक्सर हमारे पास पुरानी चीजों का अंबार लगी होता है। इन पुरानी चीजों के साथ हमारी पुरानी यादें भी जुड़ी होती हैं। कुछ अच्छी तो कुछ बुरी। जब तक आप पुरानी चीजों को निकाल बाहर नहीं करेंगे नई चीजों के लिए स्थान नहीं बनेंगे। आप चाहें तो इन चीजों को दान में दे सकते हैं या बेच भी सकते हैं।

10 अपने घर को व्यवस्थित रखें

घर के कोनों की अच्छे से सफाई करें तथा टूटी व बेकार पड़ी चीजों को बाहर फेंकें। अपने घर को साफव सही ढंग से सजाकर रखें क्योंकि खूबसूरत वस्तु अपनी जगह पर सजी अच्छी लगती है। ऐसे सजे हुए घर में बैठकर आपको भी अच्छा महसूस होगा और इसका सीधा प्रभाव आपके मन पर पड़ेगा।

सत्य का ज्ञान



जाबाल के पुत्र सत्यकाम

गुरुकुल में रहकर ब्रह्म के सत्य के बारे में जानना चाहते थे। मां जाबाल की आज्ञा लेकर वे गौतम ऋषि के आश्रम चले आए। ऋषि ने चार सौ दुर्बल गायों को उन्हें सौंपते हुए कहा, 'वत्स। इन गायों के स्वस्थ होने के साथ-साथ जब इनकी संख्या भी बढ़ जाए , तब मेरे पास आ जाना। सत्यकाम उन गायों को लेकर तुरंत वन चले गए। दिन-रात गायों की हिसंक पशुओं से सुरक्षा और उनकी देखभाल ही उनकी साधना बन गई।

जंगल की खुली हवा, ताजा घास और स्वच्छ पानी मिलने के कारण समय के साथ न केवल गायें पूरी तरह स्वस्थ हो गईं, बल्कि उनकी संख्या भी पूरी एक हजार हो गई। गायों के निरंतर ध्यान, शुद्ध एवं शांत वातावरण ने सत्यकाम को पूरी तरह एकाग्रचित बना दिया। उनकी सेवा रूपी तपस्या से ईश्वर उन पर प्रसन्न हुए और उन्हें ब्रह्म का ज्ञान हो गया। जब वे गायों को लेकर आश्रम पहुंचे, तो उनकी उपलब्धियां देखकर आचार्य अत्यंत प्रसन्न हुए। तब सत्यकाम ने उनसे ब्रह्मज्ञान का उपदेश देने का आग्रह किया। इसके जवाब में आचार्य ने कहा कि तुम्हें सत्य का ज्ञान हो गया है। अब और किसी उपदेश की जरूरत नहीं है। तब सत्यकाम ने उनसे कहा कि वह अपने गुरु के मुख से सत्य को, ब्रह्म को जानना चाहते हैं। इस तरह उन्होंने आचार्य से संपूर्ण ज्ञान प्राप्त किया। सत्यकाम पूर्ण ज्ञानी होकर वापस घर आ गए और शांति के साथ अपने धर्म का पालन करने लगे।

भूल कर भी न करें ये 5 काम, इनसे मिलता है अपमान

जीवन में मान-सम्मान का बहुत महत्व है। यह भी कहा जाता है कि जिस व्यक्ति का घर-परिवार, समाज आदि में कोई मान-सम्मान नहीं होता उसे जीते-जी मरे हुए के समान समझना चाहिए। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जब मान-सम्मान की रक्षा के लिए लोगों ने अपने प्राण भी गंवा दिए। इसके विपरीत कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें उनके बुरे कामों के कारण जीवन में कभी न कभी अपयश यानी अपमान का सामना करना पड़ता है। गरुड पुराण में कुछ ऐसे कामों के बारे में बताया भी गया है, जिसके कारण व्यक्ति को अपमानित होना पड़ता है। आज हम आपको उन्हीं कामों के बारे में बता रहे हैं। गरुण पुराण के अनुसार वो 5 काम इस प्रकार हैं-

अर्थात् - 1. दरिद्र होकर दाता होना, 2. धनवान होने पर भी कंजूस होना, 3. पुत्र का आज्ञाकारी न होना, 4. दुष्ट लोगों की सेवा करना तथा 5. किसी का अहित करते हुए मृत्यु होना। इन 5 कामों से अपमान ही मिलता है।

1. दरिद्र होकर दाता होना जब कोई गरीब व्यक्ति अपनी हैसियत से अधिक दान देता है तो उसे व उसके परिवार को धन से संबंधित अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यदि ऐसा वह बार-बार करता है तो कई बार स्थिति बहुत ही कठिन हो जाती है। ऐसा कुछ लोग दूसरों को दिखाने के लिए भी करते हैं, लेकिन इस दिखावे में वह यह भूल जाते हैं कि इसके कारण उसके परिवार को परेशानी हो सकती है। इसलिए दान देते समय अपनी आर्थिक स्थिति जरूर देख लेना चाहिए, नहीं तो आगे जाकर अपमान का सामना करना पड़ सकता है।

2. धनवान होने पर भी कंजूस होना अगर आपके पास पर्याप्त धन है और फिर भी आप कंजूस हैं तो इसके कारण भी आपको अपमानित होना पड़ सकता है। सोच-समझकर पैसा खर्च करना अच्छी बात है, लेकिन जब ये जरूरत से ज्यादा हो जाता है तो आप कंजूस की श्रेणी में आ जाते हैं। जिस

जगह जितना खर्च करना जरूरी है, उतना तो करना ही चाहिए। अगर आप वहां से भी पैसा बचाने की कोशिश करेंगे तो लोग आपको कंजूस ही समझेंगे। कंजूस लोगों को अपनी इस आदत के कारण कई बार अपमान का सामना करना पड़ता है। इसलिए पैसों का सही उपयोग करें, लेकिन कंजूस न बनें।

3. पुत्र का आज्ञाकारी न होना जिस व्यक्ति का पुत्र उसके कहने में नहीं होता, उसे भी परिवार, समाज के सामने अपमानित होना पड़ता है। पुत्र आज्ञाकारी नहीं होगा तो वह अपनी मनमानी करेगा। कई बार ऐसे पुत्र कुछ ऐसा काम कर देते हैं, जिसके कारण न सिर्फ पिता को बल्कि

गरुड पुराण में कुछ ऐसे कामों के बारे में बताया भी गया है, जिसके कारण व्यक्ति को अपमानित होना पड़ता है। जीवन में मान-सम्मान का बहुत महत्व है। यह भी कहा जाता है कि जिस व्यक्ति का घर-परिवार, समाज आदि में कोई मान-सम्मान नहीं होता उसे जीते-जी मरे हुए के समान समझना चाहिए।

पूरे परिवार व कुटुंब को ही अपमान झेलना पड़ता है। ऐसे एक नहीं कई उदाहरण देखने को मिलते हैं, जहां पुत्र के कारण पिता को अपमानित होना पड़ा जैसे- दुर्योधन के कारण धृतराष्ट्र का राजपाठ ही नहीं बल्कि पूरे परिवार का ही नाश हो गया। इसलिए कहते हैं कि पुत्र आज्ञाकारी हो तो इससे बड़ा सुख दुनिया में और कोई नहीं है। और यदि

श्लोक-
दाता दरिद्रः कृपणोऽर्थयुक्तः पुत्रोविधेयः कुजनस्य सेवा।
परापकारेषु नरस्य मृत्युः प्रजायते दुश्चरितानि पञ्च॥

पुत्र अपने पिता की बात नहीं मानता तो इससे बड़ा कोई दुख नहीं है।

4. दुष्ट लोगों की सेवा करना जो लोग दुष्ट यानी बुरे काम करने वाले लोगों के साथ रहते हैं व उनकी सेवा करते हैं अर्थात् उनकी बात मानते हैं, ऐसे लोगों को भी अपने जीवन में कभी न कभी अपमानित जरूर होना पड़ता

अपमानित होना पड़ता है। इसलिए बुरे काम करने वाले लोगों से दूर रहने में भलाई है।

5. किसी का अहित करते हुए मृत्यु होना

अगर किसी का नुकसान करते हुए आपकी मौत हो जाती है तो ये भी अपमान का कारण है। हालांकि मृत्यु के बाद मान-अपमान का कोई महत्व



है। जो लोग बुरे काम करते हैं, वे हमेशा अपने निजी स्वार्थ के बारे में सोचते हैं। जरूरत पड़ने पर वह अपने साथी को भी बलि का बकरा बना सकते हैं। जिस दिन इन लोगों की सच्चाई सामने आती है इनके परिवार वालों की भी शर्मिंदा होना पड़ता है। उनके साथ-साथ ऐसे लोगों के साथ रहने वाले लोगों भी

कमाई असर जरूर पड़ता है। आपके परिवार व आने वाली पीढ़ियों को भी आपके द्वारा किए गए इस काम के कारण शर्मिंदा होना पड़ सकता है। इसलिए कभी भी किसी का नुकसान नहीं करना चाहिए, यहां तक कि सोचना भी नहीं चाहिए।

ऐसा करेंगे तो शिव होंगे जल्द प्रसन्न

देवों के देव महादेव सबसे जल्द प्रसन्न होने वाले देव हैं।

शिव पूजा करते समय बिल्वपत्र, कमल, कुश, दुर्वा, धतूरा, आक, कनेर, श्रंगार, शमी, शहद, दुग्ध, कुषा, ईश, गंगा जल, और ऋतु फल के रस से शिवलिंग का अभिषेक करें। ऐसा करने

से भगवान शिव जरूर प्रसन्न होते हैं। पुराणों में उल्लेख मिलता है कि श्रावण माह में यदि शिव को प्रसन्न करना है, तो उनकी आराधना जरूर करनी चाहिए।

इसीलिए सप्ताह के सातों दिन शिव की पूजा करनी चाहिए। मान्यता है कि

रविवार को शिव आराधना करने से पाप का नाश होता है। सोमवार को शिवलिंग की पूजा करने पर धन लाभ, मंगलवार को शिवपूजा करने पर स्वास्थ्य लाभ मिलता है। बुधवार को शिवपूजा करने से सौभाग्य प्राप्त होती है।

गुरुवार को शिव की आराधना

करने से आयु में वृद्धि होती है। शुक्रवार को शिव की पूजा करने पर इंद्रिय सुखों की प्राप्ति होती है और शनिवार को भगवान शिव की आराधना करने पर मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। श्रावण माह में सप्ताह के सातों दिन पूजा करने पर भगवान शिव जरूर प्रसन्न होते हैं।



मानसिक शांति के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू पंचांग में भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को कुशोत्पाटिनी अमावस्या के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह एकादशी 12 सितंबर के दिन है। इस एकादशी को कुशग्रहणी अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन वर्ष भर किए जाने वाले धार्मिक कार्यों तथा श्राद्ध आदि कार्यों के लिए कुश (एक विशेष प्रकार की घास, जिसका उपयोग धार्मिक कार्यों में किया जाता है) एकत्रित किया जाता है। शास्त्रों में दस प्रकार के कुशों का वर्णन मिलता है। **कुशाः काशा यवा दूर्वा ष्रीराच्छ सकुन्दकाः। गोधूमा ब्राह्मण मौन्जा दश दध्वाः सबल्वजाः॥** कुशोत्पाटिनी एकादशी का महत्व हिंदू पौराणिक ग्रंथों में अमावस्या

तिथि का स्वामी पितृदेव को माना जाता है। इसलिए इस दिन पितरों की तुषि के लिए तर्पण, दान-पुण्य का महत्व है।

जब अमावस्या के दिन सोमवार, मंगलवार और गुरुवार के साथ जब अनुराधा, विशाखा और स्वाति नक्षत्र का योग बनता है, तो यह बहुत पवित्र योग माना गया है।

यह मिलता है फल

कुशग्रहणी अमावस्या के दिन तीर्थ, स्नान, जप, तप और व्रत के पुण्य से ऋण और पापों से छुटकारा मिलता है। इसलिए यह संयम, साधना और तप के लिए श्रेष्ठ दिन माना जाता है। यह व्रत एक वर्ष तक किया जाता है। जिससे मानसिक शांति मिलती है।

स्टडी रूम के दक्षिण-पूर्व में लगाएं मनीप्लांट

फेंगशुई का उपयोग आज कल बहुत तेजी से बढ़ गया है। खासकर, लोग इनको अपनी समस्याओं के समाधान के लिए ज्यादा प्रयोग करते हैं, फेंगशुई का प्रयोग हम एकाग्रता बढ़ाने के लिए भी कर सकते हैं, जानते हैं कैसे।

■ अपनी स्टडी रूम में हरे पत्तों का प्रयोग करें। स्टडी रूम या घर में कहीं टूटे खिलौने हैं तो उन्हें तुरंत हटा दें। क्योंकि इनसे उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा नाक, कान, गला व आंख के इंफेक्शन का कारण होती है।

■ स्टडी रूम व घर में कहीं भी बंद घड़ियां नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करती हैं और अगर किसी कारण से आप इन्हें फेंकना या बेचना नहीं चाह रहे हैं तो इन्हें ठीक करा लें।

■ अपनी टेबल पर ग्लास, क्रिस्टल की वस्तुएं रखें जैसे कांच के हनुमान जी, गणेश जी, पिरमिड, प्रिज्म, और एजुकेशन टावर रखें।

■ सकारात्मक ऊर्जा और पढ़ाई में एकाग्रता के लिए पढ़ाई के कमरे के दक्षिण-पूर्व कोने में मनी प्लांट लगाएं तथा उत्तर-पूर्व दिशा में फिश एक्वेरियम रखें।

■ विधार्थी अपनी स्टडी टेबल पर ईशान कोण में ग्लास हैंडीक्राफ्ट की मूर्ति रखें, इससे शिक्षा और ज्ञान में वृद्धि होती है व अपेक्षित परिणाम मिलते हैं।

■ विधार्थी अपनी पूर्व की दीवार साफ-सुथरी रखें। हरा बल्व, हरा पौधा, हरा पिरामिड पूर्व में रखें। बैंबू प्लांट भी रख सकते हैं।

■ स्टडी रूम के लिहाज से पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा का कमरा बेहतर माना जाता है। साथ ही अगर बच्चा ईशान कोण या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुंह करके पढ़ता है तो परिणाम बेहतर होंगे। ऐसे में कमरे को इस दिशा में क्राउटर्ज क्रिस्टल को रखें। इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहेगा।

■ शतरंज-रणनीति, किताबें-अध्ययन, पेंटिंग-रचनात्मकता और बांसुरी-संगीत का प्रतिनिधित्व करता है। लिहाजा स्टडी रूम के उत्तर-पूर्व दिशा में इन चिन्हों को रखने से शैक्षणिक सफलता मिल सकती है।

■ कई बार कमरे में सारी चीजें सही दिशा और सही जगह पर रहने के बाद भी सकारात्मक प्रभाव नहीं मिलता। ऐसे इसलिए होता है कि क्योंकि कमरे में स्थिरता आ जाती है। ऐसे में कमरे को पुनःव्यवस्थित करें और चीजों को नए क्रम में सजाएं। साथ ही सप्ताह में एक बार बच्चों के स्टडी रूम में नमक तथा उत्तर-पूर्व दिशा में फिश एक्वेरियम रखें।

■ बच्चों के अध्ययन कक्ष में यदि आईना है तो उसे इस तरह से न रखें कि पढ़ाई करते वक्त उसमें बच्चों की परछाई पड़े, क्योंकि इससे बच्चों की पढ़ाई का बोझ दोगुना हो सकता है।

पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध की पहचान की थी। हालांकि, पुलिस के अनुसार, घटना के पीछे धार्मिक या नस्लीय घृणा होने का कोई प्रमाण सामने नहीं आया था और जांच जारी थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar,

Hyderabad - 500 037

8688868345

शुभ लाभ

महारे

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 16 अक्टूबर, 2026

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्र डांडिया-गरबा महोत्सव में पुरस्कारों की धूम

मोनिका अग्रवाल बनीं बेस्ट इंडो-वेस्टर्न विजेता, शिल्पा अग्रवाल ने जीता 1.5 टन का एसी

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से क्लासिक-3 कन्वेंशन में आयोजित नौ दिवसीय श्री अग्र डांडिया एवं गरबा महोत्सव में समाज के पुरुषों, महिलाओं, युवाओं, बच्चों और अन्य प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह, उमंग और जोश के साथ भाग लिया। महोत्सव के दौरान विभिन्न वर्गों के प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों ने जीते पुरस्कार
जयंती महोत्सव के मीडिया प्रभारी डॉ. दिलीप पंसारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निर्णायक मीनू सोनी और ध्वनि दोशी के संयुक्त निर्णय के आधार पर बेस्ट ड्रैस्ड, बेस्ट डांडिया प्लेयर, बेस्ट गरबा प्लेयर सहित विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं का



चयन किया गया। इनमें मानवी, कारगवाल, विहा, यश, दीक्षा, सात्विक, रिद्धिमा, साकेत, वंशिक, चिराग, ज्योति, प्रियांश, प्रिया, निशिता, मयंक, महिमा, हिया, राधिका, खुशी, पल्लवी, सीमा, अपर्णा, मिताली, दृष्टि, दिशा, दीपिका, ख्याति, सचित, वर्षा, कृष्णा, शिव भगवान जी, विजय कुमार एवं राजेश्वरी सहित

अनेक प्रतिभागियों ने विजेता बनकर पुरस्कार प्राप्त किए।
बेस्ट इंडो-वेस्टर्न श्रेणी में मोनिका अग्रवाल प्रथम
विशेष थीम 'बेस्ट इंडो-वेस्टर्न' में प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता और आकर्षक परिधानों से सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस श्रेणी में दियाशी, रिद्धिमा, पहल, वर्षा,

नितिन, मुस्कान, मोनिका, नेहा, निक्किता एवं प्रिया सहित कई प्रतिभागी विजेता रहे। विजेताओं को जर्मन सिल्वर बोतल एवं ग्लास सेट देकर पुरस्कृत किया गया।
मोनिका अग्रवाल ने अपनी विशेष रचनात्मकता और नवाचारी अंदाज से सभी को प्रभावित करते हुए बेस्ट इंडो-

वेस्टर्न श्रेणी में प्रथम पुरस्कार हासिल किया।
सरप्राइज गिफ्ट और नॉन-स्टॉप डांडिया-गरबा प्रतियोगिता
प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिए सरप्राइज गिफ्ट की विशेष श्रेणी भी रखी गई थी। इसमें खुशी, मिषेत, विशाल, अनुराधा, अश्विन, जाग्रति, काशी, प्रिया, काव्या, नैसी, वंशिका, दीपेश एवं अर्पित सहित अनेक प्रतिभागी विजेता रहे। सभी विजेताओं को जर्मन सिल्वर बोतल सेट प्रदान किए गए।

नॉन-स्टॉप डांडिया एवं गरबा प्लेयर प्रतियोगिता में मिशेश एवं प्रीति गोयल विजेता रहे। उन्हें उपहार स्वरूप इंडक्शन प्रदान किया गया।

मोहित अग्रवाल को एयर फ्रायर, शिल्पा अग्रवाल ने जीता एसी
बेस्ट डांडिया एवं गरबा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को भी इंडक्शन देकर सम्मानित किया

गया। इस श्रेणी में मोहित अग्रवाल ने अपनी शानदार प्रस्तुति से विशेष स्थान बनाया और उन्हें विशेष पुरस्कार के रूप में एयर फ्रायर प्रदान किया गया। स्पेशल बंपर प्राइज के अंतर्गत शिल्पा अग्रवाल ने 1.5 टन का एयर कंडीशनर (एसी) जीता। विजेताओं को निर्णायक मंडल की सदस्य मीनू सोनी एवं ध्वनि दोशी, सह-संयोजक अलका मिंडा और मेधा गोयल तथा नेहा अग्रवाल, छवि गोयल एवं ख्याति गोयल ने पुरस्कार प्रदान किए।

समाज के पदाधिकारी और आयोजन समिति के सदस्य रहे उपस्थित
डांडिया कार्यक्रम के अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरगोविंद अग्रवाल, सचिव डॉ. सीमा जैन, सह-सचिव प्रतीक नरसरिया और कोषाध्यक्ष सीए राज गोपाल अग्रवाल



उपस्थित थे।
डांडिया आयोजन समिति के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल (सीएसके), संयोजक प्रवीण अग्रवाल, सह-संयोजक हर्ष सोन्थालिया, प्रीति अग्रवाल, डॉ. स्वाति गोयल और अलका मिंडा सहित समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी, सदस्य एवं उनके परिजन भी कार्यक्रम में शामिल हुए। डांडिया कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजेश नरेडी, विनोद सोन्थालिया, रितेश अग्रवाल, विकास अग्रवाल और अन्य सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

पावरग्रिड, दक्षिण क्षेत्र-1 में हिंदी अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पावरग्रिड, दक्षिण क्षेत्र पारेषण प्रणाली-ख, मुख्यालय सिकंदराबाद द्वारा अंतर उपक्रम अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) हैदराबाद-सिकंदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री दोमन यादव, कार्यपालक निदेशक (द.क्षे.-1) के कर-कमलों द्वारा श्री अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) पावरग्रिड, नराकास (उपक्रम) ई.सी.आई.एल. से श्री विश्व दीपक तिवारी, प्रबन्धक (राजभाषा) एवं डॉ. सीएच. अंबेडकर, सदस्य सचिव,

नराकास(उ) हैदराबाद-सिकंदराबाद की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।
मुख्य अतिथि श्री दोमन यादव जी ने अपने सम्बोधन में पावरग्रिड द्वारा देश में स्थापित किए जा रहे विभिन्न कीर्तिमानों के बारे में बताते हुए एक राष्ट्र, एक ग्रिड, एक आवृत्ति, एक भाषा के संकल्प को सभी से सांझा किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु उन्होंने अपनी शुभकामनाएँ प्रदान दी, साथ ही उक्त प्रतियोगिता के माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कार्यान्वयन हेतु निरंतर प्रयास करने हेतु अनुरोध भी किया। श्री अरुण कुमार जी ने उक्त हिंदी अंताक्षरी प्रतियोगिता को न केवल संगीतमय कार्यक्रम बताया

बल्कि इसके द्वारा कर्मचारी के विभिन्न आंतरिक गुणों के विकास (नेतृत्व, टीम संयोजन, बुद्धिमत्ता) पर भी जोर दिया, जो कि कार्यालयों में राजभाषा के उन्नयन हेतु भी उपयोगी साबित होंगे। श्री विश्व दीपक तिवारी जी ने इस अनोखी प्रतियोगिता के सुंदर एवं उत्कृष्ट आयोजन हेतु पावरग्रिड का आभार व्यक्त किया। डॉ. सीएच. अंबेडकर, सदस्य सचिव, नराकास(उ) ने वर्ष-2026-27 के दौरान नराकास के सदस्य कार्यालयों द्वारा आयोजित की जा रही विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन संबंधी जानकारी सभी से सांझा की। उन्होंने अपने सम्बोधन में उक्त अंताक्षरी प्रतियोगिता के माध्यम से

हैदराबाद के सभी उपक्रम कार्यालयों को हिंदी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु एक सूत्र में पिरोने की संकल्पना को समझाया।
उपरोक्त प्रतियोगिता का कुशल संचालन श्रीमती एन. ललिता (क्विज मास्टर), नार्बार्ड बैंक एवं उनकी टीम द्वारा बड़े ही रोचक एवं आनंदपूर्वक ढंग से किया गया। इस प्रतियोगिता में नराकास(उ) हैदराबाद-सिकंदराबाद के कुल 24 सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधियों की 3-सदस्यों की टीमों ने प्रतिभागिता दर्ज की। अंताक्षरी प्रतियोगिता के दौरान कुल सात पीपीटी/चित्र/आडियो/विजुयल राउंड द्विभाषी रूप में संचालित किए गए, जिसके प्रश्न मुख्यतः हिंदी गीतों पर आधारित रहे। विजयी टीमें इस प्रकार रही:-
प्रथम- हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, हैदराबाद
द्वितीय- बी. एच. ई. एल., आर. सी. पुरम, हैदराबाद
तृतीय- इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद
कार्यक्रम के अंत में, डॉ. रमेश प्रसाद मिश्र, सहायक प्रबन्धक-राजभाषा (पावरग्रिड) ने नराकास(उ) हैदराबाद द्वारा उक्त प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी पावरग्रिड को प्रदान करने हुए आभार व्यक्त करते हुए सभी वरिष्ठ अधिकारीगणों, प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन व्यक्त किया।

70 लाख की छात्रवृत्ति के आवेदन शुरू पित्ती ट्रस्ट, लोहिया समता न्यास और अग्रवाल सेवा दल की पहल



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, राम मनोहर लोहिया समता न्यास तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे मेधावी विद्यार्थियों को 70 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए आवेदन-पत्र वितरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आवेदन-पत्र वितरण केंद्रों पर विद्यार्थियों की लंबी कतारें देखी गईं। सभी केंद्रों पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने आवेदन-पत्र प्राप्त किए। पहले दिन 400 से अधिक आवेदन-पत्र वितरित किए गए। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन-पत्र 25 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएंगे। इस वर्ष डिग्री तथा

स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे 600 विद्यार्थियों को निर्धारित नियमों के अनुसार प्रति विद्यार्थी 8,000 से 27,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।
यह छात्रवृत्ति सभी धर्मों और जातियों के विद्यार्थियों को दी जाएगी।
अजित गुप्ता ने बताया कि छात्रवृत्ति के लिए केवल 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही पात्र होंगे। आवेदन-पत्रों का वितरण 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया जा रहा है। आवेदन-पत्र केवल विद्यार्थियों अथवा उनके अभिभावकों को विद्यार्थी के आधार कार्ड और अंकतालिका की मूल प्रति की जांच के बाद ही दिए जाएंगे।
विद्यार्थी निम्नलिखित केंद्रों से आवेदन-

पत्र प्राप्त कर सकते हैं:
बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट का कार्यालय, सोमाजीगुड़ा
कैलाश केडिया - श्याम कुंज, आदर्श नगर उर्मिला अग्रवाल - बंजारा हिल्स
प्रदीप अग्रवाल - तम्बाकू बाजार
दीपक गुप्ता - नवीन एटरप्राइजेज, तुरुप बाजार
सुधीर गुप्ता - मोजमजाही मार्केट
सुरेंद्र गोयल - नारायणगुड़ा
बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं राम मनोहर लोहिया समता न्यास के चेयरमैन तथा अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता, समाज-सेवी शरद बी. पित्ती ने पात्र विद्यार्थियों से इस शिक्षा छात्रवृत्ति योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया।

ग्रीन पार्क कॉलोनी में नवरात्रि की धूम

मां दुर्गा की आराधना में उमड़े श्रद्धालु, एसीपी वेंकट रेड्डी ने महेश अग्रवाल को किया सम्मानित

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रीन पार्क कॉलोनी में एस.एन. रेड्डी नगर वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आयोजित नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत श्री दुर्गा देवी पंडाल में भक्तिमय वातावरण के बीच विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर सैदाबाद के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) श्री वेंकट रेड्डी, सब-इंस्पेक्टर श्री ज्ञानेश्वर तथा तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष श्री महेश अग्रवाल ने मां दुर्गा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान एसीपी श्री वेंकट रेड्डी ने श्री महेश अग्रवाल को सम्मानित किया। उन्होंने नवरात्रि पर्व को आस्था, अनुशासन, सेवा और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बताते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में सकारात्मकता, आपसी सहयोग और एकता की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने उत्सव के दौरान शांति, सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में नागरिकों



की सहभागिता को भी महत्वपूर्ण बताया।
तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष श्री महेश अग्रवाल ने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस, करुणा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। नवरात्रि केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति के सम्मान और सामाजिक दायित्वों को समझने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि धार्मिक उत्सवों के माध्यम

से नई पीढ़ी को भारतीय परंपराओं, संस्कारों और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना आवश्यक है। एसोसिएशन की ओर से नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। इसके साथ ही बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। बालकों के लिए विशेष धार्मिक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है। इनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में धार्मिक ज्ञान, भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और संस्कारों के प्रति रुचि विकसित करना है।
इस अवसर पर एस.एन. रेड्डी नगर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद कुमार, नेताजी, सुमन नायक और मणिकंद सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में भक्तिमय वातावरण और सामुदायिक सहभागिता देखने को मिली।

जगत नारायण अग्रवाल बोले, सेवा ही सच्चा धर्म



हैदराबाद। बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गोशाला के सामने राधे-राधे गुप हैदराबाद के तत्वावधान में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुप द्वारा जरूरतमंदों की सेवा के उद्देश्य से निरंतर चलाए जा रहे इस सेवा अभियान के माध्यम से मानवता, प्रेम, सहयोग और समर्पण का संदेश दिया जा रहा है। गुप के सदस्य अन्नसेवा को ईश्वर की आराधना का माध्यम मानते हुए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं।

इस अवसर पर गुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है और जरूरतमंदों की सहायता करना ही मानव जीवन की सबसे बड़ी सार्थकता है। भूखे को भोजन कराना, असहाय को सहायता देना और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना सच्ची मानवता का प्रतीक है। निस्वार्थ भाव से किया गया प्रत्येक सेवा कार्य समाज में प्रेम, सद्भाव और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत बनाता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे गुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल अन्न-सेवा करना ही नहीं, बल्कि समाज में मानवता, संवेदनशीलता और सेवा संस्कारों को बढ़ावा देना भी है। इस सेवा कार्यक्रम में नीलम विजयवर्गीय, दीपचंद अग्रवाल एवं जगन गुप्ता सहित गुप के अन्य सदस्यों ने सहभागिता निभाई। सभी सदस्यों का उद्देश्य सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों तक सहयोग पहुंचाना और समाज में परिपक्वता की भावना को निरंतर प्रोत्साहित करना रहा।
राधे-राधे गुप हैदराबाद का नियमित अन्नसेवा अभियान इस संदेश को साकार कर रहा है कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है।

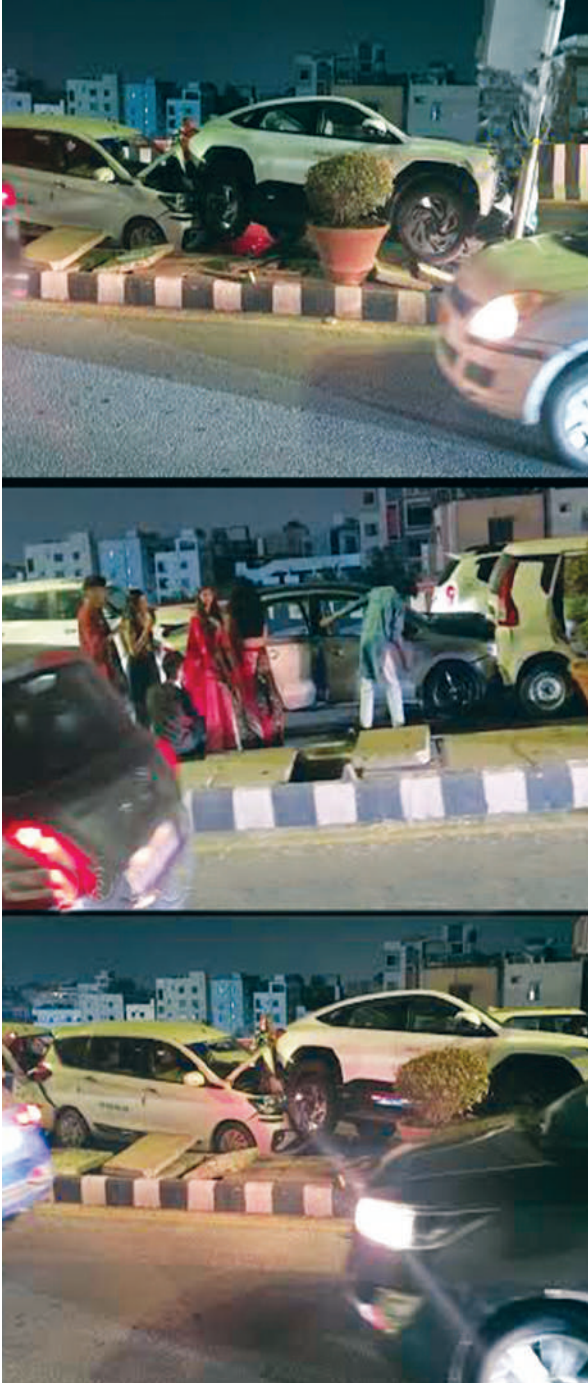
पीवीएनआर एक्सप्रेस-वे पर आपस में भिड़ीं 6 कारें

डांडिया कार्यक्रमों से लौट रहे लोगों के वाहन दुर्घटनाग्रस्त, देर रात तक लगा रहा भीषण जाम

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पीवीएनआर एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार रात पिलर नंबर 135 के पास कई कारों की आपस में टक्कर हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रात करीब 10 बजे शमशाबाद के विभिन्न स्थानों पर डांडिया खेलकर लौट रही 5 से 6 कारें दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। इस घटना में कारों को काफी नुकसान पहुंचा। दुर्घटना के कारण देर रात करीब 1 बजे तक इस मार्ग पर भीषण ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही।

कारों को भारी नुकसान, गंभीर चोट की सूचना नहीं
प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि नहीं हुई है। दुर्घटना में शामिल वाहनों और उनमें सवार लोगों की सही संख्या तथा उनकी स्थिति के बारे में आधिकारिक विवरण सामने आना बाकी है।

देर रात तक यातायात प्रभावित
पीवीएनआर एक्सप्रेस-वे हैदराबाद से राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर आने-जाने वाले यात्रियों के लिए प्रमुख मार्ग है। इस मार्ग पर कई वाहनों की टक्कर होने से यातायात प्रभावित हुआ और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित होने की जानकारी सामने आई है।



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कापरा मंडल के बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला के तत्वावधान में 'एक शाम गौ माता के नाम' तथा मां भगवती का तेरहवां विशाल जागरण आयोजित किया गया। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में गौशाला के अध्यक्ष किशनलाल पंवार एवं सचिव हुक्मराम सानपुरा ने बताया कि गौ सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग के समर्थन में गौभक्तों ने हस्ताक्षर किए। गौसेवा के उद्देश्य से जागरण का आयोजन किया गया।

भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ वातावरण

गौशाला परिसर में मां भगवती के लिए विशाल पंडाल सजाया गया। पूजा-अर्चना और ज्योत प्रज्वलित करने के बाद जागरण शुरू हुआ। गणेश वंदना के साथ भजन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। भजन गायक संत श्री प्रकाशदास महाराज, भजन गायक पिंटू सागर तथा भजन गायिका मनीषा सीरवी एंड पार्टी ने राजस्थानी लोक भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते रहे।

समाज के गणमान्य व्यक्तियों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम में सर्व समाज के अनेक गणमान्य पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। इनमें मदनलाल रावल, पारसनाथ चौहान, नेमिचन्द्र गोयल, सोहनसिंह राजपुरोहित, गजुभाई कोलडिया, चेतन नाथ, मोहनलाल सीरवी, पारसीगुटा



बडेर के अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, कोषाध्यक्ष खंगार सिंह चोयल, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम, बालाजी नगर वडेर के अध्यक्ष घेवरचन्द चोयल, उपाध्यक्ष हीरालाल चोयल, आईजी सेवा संघ के अध्यक्ष भंगाराम मुलेवा, मल्लपुर बडेर के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल मुलेवा, विश्व मंगल गौशाला से शांतिलाल सुथार, महेन्द्र सिंह पितावत, किशोर शर्मा, पारसमल शर्मा, कैलाश शर्मा, भोमाराम सीरवी, राजु शर्मा, वेनाराम, दुलीचन्द शर्मा, अचलाराम हाम्बड़ और सांवरसिंह खिंची शामिल रहे।

भोजन प्रसादी और पानी की व्यवस्था में भाभाशाहों का सहयोग

कार्यक्रम में भोजन प्रसादी के लाभार्थी ओमाराम, हापुराम, राजुराम बर्फा तथा गोल्ड-85, पॉट मार्केट, सिकंदराबाद द्वारा परिवार सहित सहयोग दिया गया। पानी की व्यवस्था अन्नाराम राठीड़ ने की। गौशाला के पदाधिकारियों और गौभक्तों ने अतिथियों का शॉल एवं दुपट्टा पहनाकर विशेष सम्मान किया। गौभक्तों ने दान-पुण्य में बढ़-चढ़कर भाग लिया। श्रद्धालुओं के लिए कार्यक्रम स्थल पर भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई।

अध्यक्ष किशनलाल पंवार ने गौभक्तों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए दान-पुण्य करने वाले भाभाशाहों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गौशाला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का रहा सहयोग

कार्यक्रम में अध्यक्ष किशनलाल पंवार, उपाध्यक्ष नारायणलाल अगलेचा, सचिव हुक्मराम सानपुरा, कोषाध्यक्ष मोतीलाल काग, सलाहकार मंगलाराम पंवार, भंवरलाल मुलेवा तथा सदस्य ढगलाराम सेपटा, नारायणलाल परिहार, पारसमल शर्मा, माधुराम चोयल, गोपाराम मुलेवा, मोहनलाल

हाम्बड़, एन.आर. पटेल, कालूराम काग चितल, नेमाराम काग, पवन गेहलोत और मांगीलाल परिहारिया सहित समस्त कार्यकारी सदस्यों एवं नवयुवक मंडल के कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम का विशेष कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी ने किया। राठीड़ साउंड एवं यू-ट्यूब पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बीआरएस राजस्थानी मीडिया, भगवान राम राठीड़ और बबलू ने किया। अंत में महाआरती हुई और सचिव हुक्मराम सानपुरा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कल ऋषि श्रृंग भवन में गूंजेंगे माता रानी के जयकारे

श्री जैष्ठायणी (पाण्डुका) माता की छठी विशाल चौकी एवं जागरण-प्रसादी 17 अक्टूबर को

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल समाज के भारद्वाज गोत्र के नागला-तिवारी, तुकार तिवारी, पिपाड़ा पांडिया एवं लिलरिया व्यास परिवारों की कुलदेवी श्री जैष्ठायणी (पाण्डुका) माता की छठी विशाल चौकी एवं जागरण-प्रसादी शनिवार, 17 अक्टूबर 2026 को ऋषि श्रृंग भवन में आयोजित किया जाएगा। इसी संदर्भ में आज ऋषि श्रृंग भवन में विष्णुगोपाल तिवारी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई।

श्रृंग वंदना के पश्चात संयोजक मंडल के रामदेव नागला ने बताया कि पिछले पांच वर्षों से नियमित रूप से माताजी का जागरण आयोजित किया जा रहा है। हालांकि, इस वर्ष संयोजक मंडल की बैठक में आयोजन को एक ही दिन में संपन्न करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि शनिवार, 17 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से शाम 5:30 बजे तक महिला भजन कार्यक्रम होगा। इसके पश्चात भजन कार्यक्रम के दौरान कन्या पूजन किया जाएगा। शाम 6:21 बजे आरती एवं भोग के बाद प्रसादी वितरण प्रारंभ होगा। भजन कार्यक्रम में युवा सम्राट सतीशजी त्रिपाठी एवं संदीप त्रिपाठी अपनी ओजस्वी



वाणी से माता रानी के भक्तों को भक्ति रस का पान कराएंगे। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए संयोजक मंडल में रामदेव नागला, मोतीलाल तिवारी, रामप्रकाश नागला, श्यामसुंदर तिवारी, भगवान नागला तिवारी, सुनील पांडिया, महेंद्र नागला तिवारी, सुरेश तिवारी, भागीरथ तिवारी, रामकुमार तिवारी, नरेश नागला, बिजुभाई तिवारी, विनोद नागला, गिरिराज नागला, कमल पांडिया (टोपीवाला), मुकेश तिवारी (अत्तापुर), हुकमीचंद पांडिया, सुरेश पांडिया दीपावत, विजय शर्मा पांडिया, सावित्री नागला, संगीता पांडिया, गायत्री तिवारी, शोभा तिवारी, गायत्री नागला, सावित्री नागला, दुर्गा तिवारी, प्रमिला नागला, शीला पांडिया, रश्मि पांडिया,

प्रेमलता व्यास, शोभा उपाध्याय, जमुना उपाध्याय, संतोष व्यास एवं दुर्गा ओझा को शामिल किया गया है।

श्री जैष्ठायणी माता (पाण्डुका) उत्सव समिति ने भारद्वाज गोत्र तथा नगरद्वय में निवास करने वाले सभी स्वजातीय बंधुओं से माता रानी के दर्शन करने और प्रसादी का लाभ लेने की अपील की है। रामदेव नागला ने बताया कि श्री जैष्ठायणी (पाण्डुका) माता सिखवाल बंधुओं के अलावा पारीक समाज, माहेश्वरी समाज एवं बामणिया सुनार परिवार की भी कुलदेवी हैं। उन्होंने माता के सभी भक्तों से कार्यक्रम में शामिल होकर दर्शन एवं प्रसादी का लाभ लेने का आग्रह किया। आज आयोजित बैठक में रामदेव नागला, मोहनलाल व्यास, विष्णुगोपाल तिवारी, भागीरथ शर्मा तिवारी, रामकुमार तिवारी, सुरेश तिवारी, विनोद नागला, आनंद तिवारी, नरेश नागला, श्यामसुंदर तिवारी, पवन नागला तिवारी, विजय शर्मा एवं श्रीनिवास नागला तिवारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा का समापन हुआ।



शालीबंडा लेडीज ग्राउंड में आयोजित गरबा एवं डांडिया कार्यक्रम में भाग लेती हुई पूजा सोनी, अन्नू जी, गुड्डी परतानी एवं अन्य महिलाएं।



श्री सिखवाल समाज, सिकंदराबाद में नवरात्रि की धूम के बीच डॉ. के. लाभार्थी को समाज की ओर से उपहार प्रदान करते हुए राजेश सिखवाल व्यास जी एवं चंद्र प्रकाश तिवारी जी।

हैदराबाद पुलिस कमिश्नर सज्जनार ने मनोज कोठारी को सम्मानित किया



हैदराबाद, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्त एवं एचसीएससी चेयरमैन श्री सज्जनार आईपीएस ने बंजारा हिल्स स्थित कमांड कंट्रोल ऑफिस में मनोज कोठारी को सम्मानित किया।

मनोज कोठारी एचसीएससी सदस्य तथा स्केड राइड प्राइवेट लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक हैं। उन्हें पूरे तेलंगाना में गणेश विसर्जन 2026 के दौरान

पुलिस वालंटियर्स के लिए एका मोबिलिटी ब्रांडिंग हेतु 1000 टी-शर्ट उपलब्ध कराने के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर ट्रैफिक-1 डीसीपी श्री अविनाश आईपीएस, ट्रैफिक एसीपी मोहन कुमार, एचसीएससी ट्रैफिक फोरम के संयुक्त सचिव श्री राजशेखर, प्रबंध निदेशक श्री पृथ्वी रेड्डी तथा स्केड राइड प्राइवेट लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक राजेंद्र कोठारी भी उपस्थित रहे।

कमल मूंदड़ा ने कहा निस्वार्थ सेवा ही राधे-राधे ग्रुप की पहचान

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कमल मूंदड़ा ने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है। जरूरतमंदों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य भी है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा समाज में प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना को मजबूत बनाती है। कमल मूंदड़ा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद सेवा, समर्पण और सहयोग के मूल मंत्र के साथ निरंतर अन्नसेवा के कार्यों में जुटा हुआ है। ग्रुप का उद्देश्य केवल जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा-संस्कारों की भावना को



जागृत करना भी है। सच्ची सेवा वही है, जिसमें किसी प्रकार का स्वार्थ या दिखावा न हो, बल्कि दूसरों के प्रति संवेदना और सहायता का भाव हो।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ नियमित सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। यह सेवा अभियान समाज को एक सकारात्मक संदेश देता है कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता करने का संकल्प ले, तो समाज में कोई भी व्यक्ति स्वयं

को अकेला महसूस नहीं करेगा। सेवा का छोटा-सा प्रयास भी किसी के जीवन में खुशियां लाने का माध्यम बन सकता है।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, कमल मूंदड़ा और संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा के इस अभियान को निरंतर जारी रखने और अधिक से अधिक लोगों को मानवता के इस पुनीत कार्य से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया।